सरकारी और अर्ध शासकीय कार्यालयों में समिति बनाना अनिवार्य : रहाटकर

नव भारत न्यूज

इंदौर. शासकीय, अशासकीय एवं निजी कार्यालयों में 10 या अधिक कर्मचारी पदस्थ हों, वहाँ आंतरिक समिति का गठन अनिवार्य है. साथ ही समिति का गठन नहीं होने पर संबंधित संस्था पर 50,000 रुपए दंड का प्रावधान है.

यह जानकारी राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष विजया रहाटकर ने महिला एवं बाल विकास की कार्यशाला में बताई. आज एआईसीटीएसएल सभाकक्ष में कार्य स्थल पर महिला यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 को लेकर कार्य शाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में महिला आयोग अध्यक्ष रहाटकर ने कहा कि अधिनियम में महिलाओं के साथ उत्पीड़न में रोकथाम, निषेध और निवारण हेतु स्थानीय और आतंरिक समिति का गठन अनिवार्य है. कार्यशाला के दौरान विजया रहाटकर द्वारा पी ओ एस एच अधिनियम 2013 के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई. उन्होंने बताया कि जिन कार्यालयों में 10 से अधिक पुरुष कर्मचारी भी हों, वहां पर समिति गठन अनिवार्य है. साथ ही असंगठित क्षेत्र की महिलाएं भी अपनी शिकायत स्थानीय समिति के समक्ष दर्ज करा सकती हैं. उक्त कार्यशाला में इंदौर संभाग के सभी जिलों की स्थानीय एवं आंतरिक समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य कार्यशाला में उपस्थित थे। कार्यशाला के शुरू में महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी रजनीश सिन्हा ने अध्यक्ष रहाटकर तथा सुश्री कनिका का स्वागत किया ।अंत में सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग मधुमति धुलधौये ने आभार व्यक्त किया.

कार्यशाला में महिला उत्पीड़न अधिनियम के बताए नियम

गोपनीयत बनाए रखना जरूरी

उन्होंने कहा कि आंतरिक अथवा स्थानीय समिति के समक्ष प्रस्तुत शिकायतों में शिकायतकर्ता एवं प्रतिवादी दोनों की गोपनीयता बनाए रखना भी जरूरी है. ऐसा नहीं करने पर समिति पर भी 50,000 रुपए तक के दंड का प्रावधान है. महिला अधिनियम के व्यापक प्रचार-प्रसार, समितियों की नियमित बैठकें बुलाने तथा कार्यस्थल पर महिलाओं हेतु सरल एवं सुरक्षित वातावरण बनाने पर विशेष जोर दिया गया.

युवाओं को ड्रग्स और सड़क सुरक्षा के लिए प्रेरित करेगी जन जागरण यात्रा

इंदौर.. मालवा टॉकीज द्वारा 14 दिसंबर को युथ फॉर चेंज कार्यक्रम के माध्यम से जन जागरण यात्रा का आयोजन किया जा रहा है. एक सामाजिक जन जागरण पहल है, इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को ड्रग्स के खिलाफ़ शिक्षित,प्रेरित करना सशक्त करना है ताकि वे ड्रग्समुक्त और जिम्मेदार समाज के निर्माण अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके. मालवा टॉकीज प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर आयोजक राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि यूथ फॉर चेंज जन जागरण यात्रा का शुभारंभ मां अहिल्या की पावन नगरी इंदौर से किया जा रहा है. इस अवसर पर सीएम मोहन यादव, विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, बॉलीवुड की अदाकारा अदा शर्मा, मप्र यूथ फॉर चेंज की ब्रांड एंबेसडर युवाओं से संवाद करेंगी. साथ ही इंडियन आइडल फेम पवनदीप राजन का लाइव कंसर्ट भी 14 दिसंबर को रहेगा. इवेंट को कोऑर्डिनेटर विवेक पांडे ने बताया कि इंदौर से अभियान की शुरुआत होकर प्रमुख संभाग ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन से होते भोपाल में समापन के अवसर पर मध्य प्रदेश पुलिस के अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा जिन लोगों ने सड़क सुरक्षा एवं ड्रग्स पर विशेष रूप से योगदान दिया है यूथ फॉर चेंज प्रदेश के 55 जिलों में वीडियो जन जागरण यात्रा के माध्यम से युवाओं को जागृत किया जाएगा नशे से दूर रहें और यातायात के नियमों का पालन करें, अवेयरनेस वैन- राज्य-भर में नागरिकों तक पहुँचने और जागरूकता फैला ने के लिए वीडियो रथ डिज़ाइन की गई रो ड शो अवेयरनेस वैन तैयार की गई है जो ड्रग्समुक्त जीवनशैली और सड़क सुरक्षा का संदेश हर जिले, गाँव और शिक्षण संस्था तक पहुँचाएगी.

एक साथ 15 वर्ष पुरानी 135 बसों के परमिट निरस्त

प्रदेश में प्रथम बार हुई इस तरह की कार्रवाई

इंदौर. संभाग के अन्तर्गत स्टेज कैरिज परमिट पर आच्छादित 135 यात्री बसें 15 वर्ष से अधिक पुरानी पाई गई थी जिनके स्थाई परमिट वैध है. ऐसी संभावना थी की उक्त बसें विभिन्न मार्गों पर संचालित हो रही होगी. वाहन स्वामियों/परमिट धारकों को इस शर्त के अधीन परमिट स्वीकृत किया गया था कि परमिट पर किसी भी समय 15 वर्ष से अधिक पुरानी वाहन का संचालन नहीं किया जायेगा. वाहन स्वामियों को नोटिस जारी कर एवं सार्वजनिक सूचना प्रकाशित कर उक्त स्थाई परमिटों पर अद्यतन मॉडल की वाहन प्रतिस्थापन कराने हेतु निर्देशित किया गया, किन्तु वाहन स्वामियों द्वारा समयावधि में अद्यतन मॉडल की वाहने प्रतिस्थापन नहीं कराई गई.

संभागायुक्त एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार इन्दौर संभाग इन्दौर डॉ. सुदाम खाडे द्वारा उक्त 135 यात्री बसों में से 73 यात्री बसों को जारी स्थाई परमिट निरस्त किये गये हैं. शेष 62 यात्री बसों के परमिट निरस्ती की कार्यवाही प्रचलन में है जो आगामी कार्यालयीन दिवस में निरस्त किये जाएंगे.

उक्त कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी. सचिव मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग मनीष सिंह द्वारा भी इस सबंध में निर्देश जारी किये गये कि स्टेज कैरिज परमिटों पर 15 वर्ष से अधिक पुरानी यात्री बसों का संचालन नहीं किया जायेगा. कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा बस ऑपरेटरों की बैठक आयोजित कर स्टेज कैरिज परमिट पर 15 वर्ष से अधिक पुरानी वाहनों का संचालन न किये जाने के संबंध में निर्देशित किया गया।

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, इन्दौर संभाग, इन्दौर द्वारा गत 4 नवम्बर को स्थाई अनुज्ञा स्वीकृति हेतु प्राप्त 398 आवेदनों की सुनवाई की गई, उक्त आवेदनों का बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है, जिसमें 15 वर्ष से अधिक पुरानी वाहनों के आवेदन निरस्त किये जायेंगे एवं उन्हीं आवेदकों को परमिट स्वीकृत किये जाएंगे. जिनकी वाहन पूर्व से ही प्रस्तावित समयचक्र पर संचालित हो रही है. अनावश्यक प्रतिस्पर्धा वाले समयचक्र पर प्रस्तुत आवेदनों को निरस्त किया जायेगा.

सुगम-सुरक्षित परिवहन सेवा मिलेगी

मध्यप्रदेश की सड़कों पर 21 साल बाद एक बार फिर सरकारी बसें चलने वाली है. मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना के अन्तर्गत सरकार ने यात्री परिवहन एंड इन्फ्रास्ट्र. र लिमिटेड कम्पनी बनाई है जो प्रदेश में बसों का संचालन करेगी, जिसकी शुरुआत आगामी अप्रैल 2026 से आर्थिक राजधानी इन्दौर से की जाएगी. बसों के रूट का निर्धारण किया जा चुका है जिस पर निजी ऑपरेटरों की बसें संचालित होगी. सरकार और निजी ऑपरेटरों के बीच एक कॉन्ट्रेक्ट होगा, जिससे पूरी व्यवस्था सरकार की निगरानी में रहेगी. उक्त योजना में भी अद्यतन मॉडल की वाहनों को प्राथमिकता दी जायेगी. इससे प्रदेश वासियों को सुगम एवं सुरक्षित परिवहन सेवा प्राप्त होगी.

तकनीकी विकास और रोजगारोन्मुखी योजनाओं पर मंथन

ग्लोबल इंडियन आर्गेनाईजेशन (जीआईओ) के सम्मेलन का दूसरा दिन

इंदौर. ग्लोबल इंडियन आर्गेनाईजेशन (जीआईओ) के भारत में पहली बार देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में हो रहे सम्मेलन के दूसरे दिन ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के इंटरनेशनल प्रेसीडेंट राजेन्द्र तिवारी के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, संगठन के इंदौर चैप्टर के नवनियुक्त रीजनल प्रेसीडेंट युवराज वरदराज मंडलोई, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के प्रमुख डॉ. भरत शर्मा एवं ग्लोबल सिन्धी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मनोहर देव ने की विशेष उपस्थिति में हुआ.

शनिवार को पूरे दिन दुनिया के 25 देशों के 200 से अधिक भारतीय मूल के इन व्यापारी, उद्योगपति, कारोबारी एवं अपने-अपने देशों में विशिष्ट हस्ती रखने वाले मेहमानों ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सचिव आईएएस मनोज कुमार की मौजूदगी में अलग-अलग सत्रों में सरकारी विभागों के सहयोग एवं शहर के अन्य औद्योगिक तथा व्यापारिक संगठनों से भी बातचीत की. शनिवार का पूरा दिन इन मेहमानों ने भारत में तकनीकी विकास , सांस्कृतिक सहयोग एवं स्वास्थ्य सेवाओं के साथ रोजगारोन्मुखी योजनाओ पर भी मंथन किया.

सुबह ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर पर दूसरे दिन के सम्मेलन की शुरुआत में सभी मेहमानों का चैप्टर के रीजनल प्रेसीडेंट युवराज वरदराज मंडलोई ने मालवी परंपरा के अनुरूप स्वागत से हुई. इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अपने उद्बोधन में अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में अर्जित उपलब्धियों और नवाचारों के बारे में जानकारी प्रदान की. उन्होंने कहा कि अनिवासी इंदौरी लोगों को व्यापार-व्यवसाय के प्रयत अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष अप्रवासी भारतीय इंदौरी निवेशकों का सम्मेलन भी आयोजित किया जाता है.

विश्वभर में निवास करने वाले भारतियों के लिए इंदौर के द्वारा हमेशा खुले हैं. इस मौके पर हुई चर्चाओं में डॉ. राजशेखरम (भारत), जोएल नारायनीन (आइसलैंड), सुदर्शानद नागावह (मोरिशस), डॉ. जयवीर सिंह राठोर (यूएस), अनुज अग्रवाल (सिंगापुर), एसटी सर्वानन्द (इण्डोनेशिया), चमनलाल भल्ला (यूरोप), केरुशेन सुबैया, बदरुद्दीन अब्दुल मजीद (सऊदी अरेबिया), गुरमीत कालरा (आगरा), वेंकप्पा भागवातुला (कतर), लक्ष्मण पुतप्पा (बैंगलोर), कोलकाता से पैरा मिलेट्री फ़ोर्स की सीनियर कमांडेंट रूचि आनंद भी शामिल हुए.

इंदौर के द्वार हमेशा खुले

स्वागत उद्बोधन में वरदराज मंडलोई ने देश की प्राचीन संस्कृति एवं इंदौर से जुड़ी विशेषताओं का उल्लेख किया. मंडलोई ने कहा कि इंदौर की स्थापना और इसके महान इतिहास के साथ बहुत सी खूबियाँ जुड़ी हैं. इंदौर को विश्व का प्रथम कर मुक्त व्यापार का केंद्र बनाने के लिए प्रथम शासक राव राजा नंदलाल मंडलोई ने सन 1716 में काफी प्रयास किए और आधुनिक इंदौर की नींव डाली. संस्कृति मंत्रालय की ओर से मंत्री के रूप में डॉ. भरत शर्मा ने की-नोट स्पीकर की भूमिका निभाते हुए संस्कृति मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं का ब्यौरा भी दिया.

दिल से दौड़ें, दिल के लिये थीम पर होगी इंदौर मैराथन

इंदौर. शहर की प्रतिष्ठित संस्था एकेडमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स (एआईएम) अपने बहुप्रतीक्षित आयोजन इंदौर मैराथन के 12वें संस्करण की तैयारियों में जुट चुकी है. पिछले 11 वर्षों से यह मैराथन फरवरी के पहले रविवार को फिटनेस उत्सव के रूप में मनाई जाती रही है. इस वर्ष यह आयोजन 1 फरवरी को स्वास्थ्य का कुंभ के रूप में आयोजित होगा. इस बार की थीम है- दिल से दौड़े, दिल के लिये, जो इंदौरवासियों को स्वस्थ, सक्रिय और रोगमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगी.

एकेडमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स के मुख्य संरक्षक कैलाश विजयवर्गीय ने कहा अब इंदौर फिटनेस और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश का नेतृत्व करेगा. 12वीं इंदौर मैराथन स्वस्थ जीवन के प्रति इंदौर के अटूट संकल्प का प्रतीक है. मैं शहरवासियों से आग्रह करता हूँ कि दिल से दौड़े, दिल के लिये की थीम अपनाएँ और इस महाआयोजन को भारत की फिटनेस राजधानी बनने की हमारी यात्रा का सबसे बड़ा उत्सव बनाएँ. एकेडमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स के अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने कहा यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारा उद्देश्य इंदौर को भारत की फिटनेस राजधानी बनाना है. एकेडमी द्वारा रनिंग सीखने के इच्छुक प्रतियोगियों के लिए राजेंद्र नगर, दशहरा मैदान या मल्हार आश्रम मैदान पर सुबह 6 से 7.30 बजे तक चल रही रनर्स क्लीनिक में नि:शुल्क प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है.

पंजीयन प्रारंभ- एकेडमी ऑफ इंदौर मैराथनर्स के सचिव सुमित रावत ने कहा इंदौर मैराथन ने शहर में फिटनेस के प्रति गहरी जागरूकता पैदा की है. रनिंग के स्वास्थ्य लाभों को देखते हुए कई डॉक्टर स्वयं भी इसे अपनाकर अपने मरीजों को रनिंग की सलाह दे रहे हैं. मैराथन के लिए पंजीयन प्रारंभ हो चुका है. प्रतिभागी वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं. रेस डायरेक्टर विजय सोहनी ने जानकारी दी कि दौड़ चार श्रेणियों में होगी, 3 किमी रन- यशवंत क्लब से प्रारंभ होगी, 5 किमी रन राजवाड़ा से, 10 किमी, 21 किमी रन- नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर सभी की समाप्ति नेहरू स्टेडियम पर होगी.

एक नजर में | गीता भवन में चल रहे 68 वें अ.भा. गीता जयंती महोत्सव में जीवन प्रबंधन गुरु की चेतावनी, कल गीता जयंती

समय रहते बच्चों में श्रद्धा उतारें, अन्यथा परिवार बिखर जाएंगे : पं. मेहता

इंदौर. यदि समय रहते हमने अपने घर-परिवार को श्रद्धा से नहीं जोड़ा तो इसके भयावह परिणाम देखने को मिल सकते हैं. वर्तमान युग में हमें बच्चों में योजनाबद्ध ढंग से श्रद्धा को उतारने, युवाओं में श्रद्धा को समाने, प्रौढ़ अवस्था में श्रद्धा को बसाने और वृद्धावस्था में श्रद्धा को संभालने की महती जरूरत है. हमारी श्रद्धा सात्विक होना चाहिए. सबसे ज्यादा ध्यान बाल्य और वृद्धावस्था पर देना होगा. आज हमारे वृद्ध कहते हैं कि बच्चे सुनते नहीं और बच्चे कहते हैं कि बुजुर्गों को सुनाई नहीं देता. श्रद्धा आज की सबसे महत्वपूर्ण जरूरत है. कुछ ताकतें ऐसी भी सक्रिय हैं जो हमारे भारतीय परिवारों पर सांस्कृतिक हमला करने के मनसूबे बना रही हैं. उनसे बचने के लिए हमें सतर्क रहना होगा.

जीवन प्रबंधन गुरु पं. विजय शंकर मेहता ने शनिवार को गीता भवन में चल रहे 68 वें गीता जयंती महोत्सव की धर्म सभा में उक्त प्रेरक बातें कहीं. आचार्य, जगदगुरू स्वामी रामदयाल महाराज की अध्यक्षता में चल रहे महोत्सव में गोंडा उप्र से आए पं. प्रह्लाद मिश्र रामायणी, उज्जैन के महामंडलेश्वर स्वामी परमानन्द, काशी के मानस मर्मज्ञ पं. रामेश्वर त्रिपाठी, वृंदावन से आए स्वामी वृंदावन दास, साध्वी आदित्य उज्जैन के स्वामी असंगानंद, आर्ष विद्या प्रतिष्ठा ने महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती ने भी प्रेरक व ओजस्वी विचार व्यक्त किए. गीता भवन ट्रस्ट मंडल अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी, कोषाध्यक्ष मनोहर बाहेती, टीकमचंद गर्ग, दिनेश मित्तल, हरीश माहेश्वरी, महेशचंद्र शास्त्री, संजीव कोहली एवं सत्संग समिति के श्याम मोमबत्ती, रामकिशोर राठी, प्रदीप अग्रवाल, अरविन्द नागपाल, एवं चंद्रप्रकाश गुप्ता ने सभी संतों एवं विद्वानों का स्वागत किया. संचालन किया पं. प्रह्लाद मिश्र एवं डाकोर के वेदान्ताचार्य देवकीनंदन दास महाराज ने. आचार्य पं. कल्याण दत्त शास्त्री के निर्देशन में आज भी विष्णु महायज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने परिवार, समाज एवं राष्ट्र में सुख, शांति एवं सद्भाव की कामना से आहुतियाँ समर्पित की.

अभा गीता जयंती महोत्सव के तृतीय सौपान पर 30 नवंबर रविवार को सुबह 9 से 10 बजे तक दैनिक प्रवचन श्रृंखला में महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णानंद गिरि के प्रवचन होंगे। 1 दिसम्बर को गीता जयंती का मुख्य महोत्सव सुबह 8 बजे से मनाया जाएगा जिसमें सभी संत विद्वान एवं श्रद्धालु एकसाथ गीता के 18 अध्यायों का सामूहिक पाठ करेंगे.

अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला ग्रंथ

उज्जैन के महामंडलेश्वर स्वामी परमानन्द ने कहा कि गीता असत्य से सत्य, अंधकार से प्रकाश और जन्म-मृत्यु से लेकर अमृत्व की ओर आगे बढ़ाने वाला ग्रन्थ है. काशी के पं. रामेश्वर त्रिपाठी ने कहा जन्म-जन्मान्तर के पुण्योदय से ही सत्संग श्रवण का अवसर और सौभाग्य मिलता है. हमारी श्रद्धा मन, वचन और कर्म के प्रति होना चाहिए. वृंदावन के वृंदावनदास महाराज ने कहा कि सनातन धर्म के ३ प्रमुख ग्रन्थ गीता, रामायण व श्रीमद भागवत हम सबको श्रवण करना चाहिए. साध्वी आदित्य चेतना गिरि ने कहा कि जीवन की मंजिल पाने के लिए तीन रास्ते हैं पद्धति, पगडण्डी और राजमार्ग. उज्जैन के स्वामी असंगानंद, महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद ने आशीर्वचन में जगद्गुरु स्वामी रामदयाल महाराज ने गीता के संदेशों की प्रासंगिकता बताते हुए सबके मंगल की कामना की।

एक नजर में

स्वास्थ्य परीक्षण व जागरूकता शिविर

इंदौर. महिलाएं घर की धूरी होती है. वे घर-परिवार का संचालन करती है. उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान विशेष रूप से स्वयं रखना चाहिए, यह विचार डॉक्टर एलएन घनघोरिया अधीक्षक कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय देवास ने कराबी सेवाएं द्वारा जे बी फूड्स मक्सी रोड देवास में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर में व्यक्त किए. प्रदीप जोशी ने बताया कि श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल की श्री पहल कार्य योजना के अंतर्गत ई एस आई एस के संचालक डॉक्टर चंद्रशेखर जायसवाल के निर्देश पर प्रदेश के समस्त कराबी चिकित्सालयों औषधालयों एवंऔद्योगिक संस्थानों, कलकारखानो में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर के निरंतर आयोजन किए जा रहे हैं. शिविर में 203 महिला पुरुषों के वजन, ऊंचाई, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर ,ब्लड शुगर, आंखों की एवं सामान्य जांच डॉ. संगीता ओसवाल, डॉ. दीपक सोलंकी तथा देवेंद्र वर्मा, मधुबाला फिलिप्स, बीना पुरोहित,सुनीता तिरपुरे, रवि चौहान द्वारा की गई. इस अवसर पर कंपनी के आशीष बदलानी, विनोद जोशी, योगेश गुप्ता, प्रज्ञा सोनी भी उपस्थित थे.

विद्यार्थियों ने नाटक का किया प्रभावशाली मंचन

इंदौर. विनोबा भावे आश्रम में उस शाम एक अलग ही सुकून और उत्साह का वातावरण था. परिसर में गूंज रही पंक्तियाँ - कहानी हम कहते हैं उस करुणा के सागर की, 75 साल पहले पदयात्रा कर जिसने धरती नापी थी वहां उपस्थित सभी लोगों को उस युग में ले जा रही थीं, जब विनोबा भावे ने भूदान आंदोलन की ऐतिहासिक यात्रा की थी और इस गूंज के केंद्र में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के विद्यार्थी, जिन्होंने भूदानयज्ञ मानवता का आरोहण नाटक का प्रभावशाली मंचन किया यह प्रस्तुति दो दिवसीय विशेष कार्यक्रम मित्र मिलन का हिस्सा थी, जिसमें नाटक के साथ कविता पाठ, संवाद सत्र, विशेषज्ञ व्याख्यान और विभिन्न प्रदर्शनी भी आयोजित की गई. कार्यक्रम का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि विनोबा भावे की विचारधारा की आज के समय में प्रासंगिकता को नए तरीके से समझाना था। विद्यार्थियों ने दर्शकों को इस बात से अवगत कराया कि किस प्रकार भूदान आंदोलन सिर्फ जमीन बाँटने का प्रयास नहीं था, बल्कि मानवता, करुणा, सहअस्तित्व और सामाजिक समरसता की जीवंत मिसाल था. नाटक की थीम और प्रभावमानवता का आरोहण नाटक में विनोबा भावे के जीवन, प्रेरणा और कार्यों को कई रूपों में प्रस्तुत किया गया. विद्यार्थियों की सहभागिता और तैयार इस नाट्य प्रस्तुतिकरण में विभाग के 15 से अधिक छात्रों ने भाग लिया. प्रमुख रूप से वंशिका, परिणीता, सारा, कृष्णा, पार्थ, मुस्कान, देव, विश्वकर्मा, नमन कटारे आदि विद्यार्थी मंचन से जुड़े रहे.

नवश्रृंगारित छावनी रामद्वारा का लोकार्पण

इंदौर. पारसी मोहल्ला छावनी स्थित प्राचीन नव श्रृंगारित रामद्वारा का भव्य लोकार्पण समारोह अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय, शाहपुरा के विद्यमान पीठाधीश्वर आचार्य जगद्गुरु स्वामी रामदयाल महाराज ने किया. सतीश कचोलिया ,सुनील जायसवाल बताया कि लोकार्पण समारोह के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालु भक्तजन बड़ी संख्या में उपस्थित होने लगे थे. आयोजन की शुरुआत में आचार्यश्री की अगवानी कलश धारण किए हुए पारंपरिक संस्कृति अनुसार संगीता कचोलिया, सरलता सोनी शर्मीला धनौतिया वर्षा व्यास, नीलिमा, सलोनी कृपलानी,जयसवाल, समता माहेश्वरी, श्वेता सोनी मधु टॉक आदि ने की. आचार्य रामदयाल महाराज ने कहा कि भक्तों ने एकता के साथ छावनी रामद्वारा का सुंदर कायाकल्प किया, सराहनीय कार्य किया है. नवनिर्मित छावनी रामद्वारा को देखकर मन आनंदित है. जवाबदारी, ईमानदारी, वफादारी के साथ सबका समय का दान जब मिल जाता है तो किसी भी तरह के नवनिर्माण के संकल्प निश्चित ही पूर्ण होते हैं. इस अवसर पर पार्षद मृदुल अग्रवाल, प्रदीप परतानी, राम गीलड़ा, आशीष सोनी, डॉ विजय नीचानी, डॉ ऐश्वर्या राजपुरोहित, सुभाष घनौतियां सहित महेश्वरी समाज अग्रवाल समाज जैन समाज पोरवाल समाज के कई भक्त लोग उपस्थित थे.

फेमिना मिस इंडिया मध्यप्रदेश के लिए रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

इंदौर. फेमिना मिस इंडिया मध्यप्रदेश के आगामी राज्य स्तरीय ऑडिशन इस बार युवतियों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहे हैं. जिसके लिए सुश्री निकिता पोरवाल, फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड एवं मिस वर्ल्ड 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रतिभागी के नेतृत्व में फेमिना मिस इंडिया मध्यप्रदेश के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरूआत हो चुकी है जिनमें 18 से 25 वर्ष की प्रतिभाशाली युवतियाँ प्रतिभाग कर सकती हैं. द मिस इंडिया ऑर्गनाइज़ेशन, वर्ल्डवाइड मीडिया ने ब्राइट स्टेज इवेंट्स को वर्ष 2025 से तीन वर्षों की अवधि के लिए फेमिना मिस इंडिया मध्यप्रदेश का अधिकृत लाइसेंसी नियुक्त किया है. यह उपलब्धि राज्य में देश की सबसे प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट विरासत को आगे बढ़ाते हुए उभरती प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगी. इस को लेकर जागरूकता के लिए ब्राइट स्टेज प्रदेश भर में कई आयोजन कर रहा है इसी श्रंखला के तहत 28 नवंबर को डेली कॉलेज ऑफ बिज़नेस मैनेजमेंट में विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसका विषय था बियॉन्ड ब्यूटी- शेपिंग इंटेलिजेंट, कॉन्फिडेंट, पर्पज़-ड्रिवन वुमन फॉर ग्लोबल लीडरशिप. पैनल डिस्कशन में सुश्री निकिता पोरवाल, फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड शामिल हुई. इस सत्र में इंदौर की प्रथम महिला एडवोकेट जूही भार्गव, डीएसपी नीति डांडौतिया, डॉ. सोनल सिसौदिया और आईएनएमओ की फाउंडर कोमल जोशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई. निकिता पोरवाल ने कहा यह सिर्फ सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल और नए करियर अवसरों का प्लेटफॉर्म है. जितनी अधिक युवतियाँ जुड़ेंगी, उतना ही यह अभियान प्रेरणादायक बनेगा. ब्राइट स्टेज इवेंट्स की निखिला गुप्ता और डॉ. सुबोध श्रीवास्तव ने मिस इंडिया ऑर्गनाइज़ेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्राइट स्टेज इवेंट्स इस गौरवपूर्ण जिम्मेदारी को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएगा.